16. भारत की नदियाँ और बहुउदेशीय परियोजनाएं

1. भारत नदियों का देश है
2. भारत में लगभग 4000 से अधिक छोटी-बड़ी नदियाँ मिलती हैं।

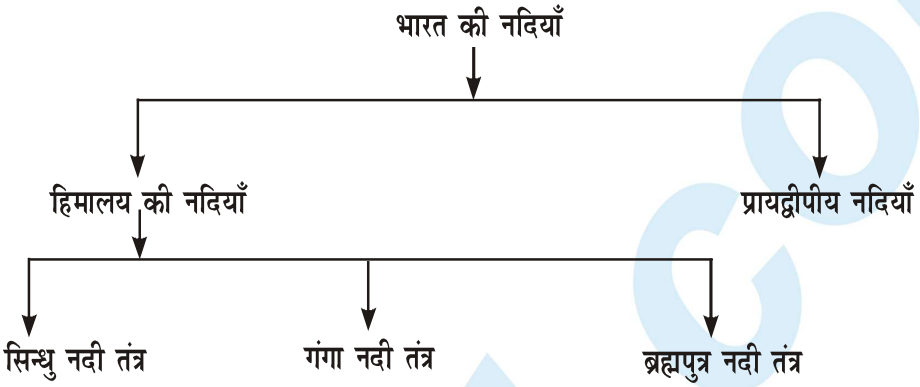

3. उत्पत्ति के आधार पर भारत की नदियों का वर्गीकरण मुख्यरूप से दो भागों में किया गया है-
   (a) हिमालय की नदियाँ
   (b) प्रायद्वीपीय नदियाँ

(a) **हिमालय की नदियाँ**-

1. हिमालय की नदियों को तीन प्रमुख नदी तंत्रों में विभाजित किया गया है-
   (a) सिन्धु नदी तंत्र
   (b) गंगा नदी तंत्र
   (c) ब्रह्मपुत्र नदी तंत्र
2. हिमालय की नदियों के बेसिन बहुत बड़े हैं।
3. हिमालय की नदियों का जलग्रहण क्षेत्र हजारों वर्ग किमी. पर विस्तृत है।
4. ये पूर्ववर्ती नदियाँ हिमालय के उत्थान के क्रम में निरंतर अपरदन का कार्य कर रही हैं।
5. इन नदियों के द्वारा महाखड्डों (ळवतहमे) का निर्माण होता है।
6. ये नदियाँ अभी भी युवा हैं एवं अपरदन का कार्य कर रही हैं।
7. हिमालय की नदियाँ अपेक्षाकृत बड़ी हैं। जैसे- गंगा, ब्रहमपुत्र सतलज, यमुना इत्यादि।
8. हिमालय की नदियों में वर्ष भर जल भरा रहता है।
9. हिमालय की नदियों को सदानीरा नदियाँ भी कहते हैं।
10. ये नदियाँ पर्याप्त मात्रा में उपजाऊ जलोढ़ अवसादों का निक्षेपण करती हैं।

1. **सिन्धु नदी तंत्र** (प्दकने त्पअमत लेजमउ)-
   1. इसके अर्न्तगत सिन्धु नदी एवं उसकी सहायक नदियाँ सम्मिलित है।
   2. सिन्धु की सहायक नदियाँ निम्नलिखित हैं जैसे- झेलम, चिनाब, रावी, व्यास, सतलज आदि।

सिन्धु नदी-

1. सिन्धु नदी तिब्बत के मानसरोवर झील के पास से निकलती है।
2. सिन्धु नदी चेमायुंगदुग ग्लेशियर से निकलती है। जो मानसरोवर झील के पास है।
3. सिन्धु नदी की कुल लम्बाई 2880 किमी. है।
4. सिन्धु नदी जल समझौता भारत एवं पाकिस्तान के मध्य हुआ है।
5. सिन्धु नदी में बायीं ओर से मिलने वाली नदियाँ-झेलम, चिनाब, रावी, व्यास एवं सतलुज हैं।
6. उपरोक्त पांचों नदियों को पंचनद कहते है।
7. सिन्धु नदी मे दायीं ओर से मिलने वाली नदियाँ-श्योक, काबुल, कुर्रम, गोमल आदि हैं।
8. सिन्धु नदी अरब सागर में मिल जाती है।

सिन्धु नदी की सहायक नदियाँ-

1. झेलम 2. चिनाब 3. रावी 4. व्यास
5. सतलुज

झेलम नदी-

1. झेलम नदी शेषनाग झील से निकलती है।
2. शेषनाग झील बेरीनाग के समीप है।
3. बेरीनाग एवं शेषनाग पीरपंजाल पर्वत की पदस्थली मे स्थित है।
4. शेषनाग झील जम्मू-कश्मीर राज्य में है।
5. झेलम नदी एक नौकागम्य नदी है।
6. झेलम नदी पाकिस्तान में चिनाब नदी से मिल जाती है।

चिनाब नदी-

1. चिनाब नदी की उत्पत्ति हिमाचल प्रदेश से होती है।
2. हिमाचल प्रदेश में इसे चन्द्रभागा कहते है।
3. चिनाब नदी की उत्पत्ति लाहुल में बड़ालाचा का दर्रे के दोनों ओर से चन्द्र एवं भागा नामक दो नदियों के रूप में होती है।
4. चिनाब नदी पाकिस्तान में सिन्धु नदी से मिल जाती है।
5. चिनाब नदी की कुल लम्बाई 1180 किमी. है।
6. चिनाब नदी पंचनद में सबसे लम्बी नदी है।

रावी नदी-

1. रावी नदी की उत्पत्ति हिमाचल प्रदेश से होती है।
2. रावी नदी का उद्भव स्थल कांगड़ा जिले के रोहतांग दर्रे के समीप है।
3. रावी नदी पाकिस्तान में चिनाब नदी में मिल जाती है।

व्यास नदी-

1. यह हिमाचल प्रदेश की नदी है।
2. व्यास नदी की उत्पत्ति व्यास कुंड से होती है।
3. इसकी घाटी को ''कुल्लू-घाटी'' कहते हैं।
4. व्यास सतलुज नदी की सहायक नदी है।
5. व्यास नदी पंजाब के कपूरथला के निकट सतलुज नदी में मिल जाती है।
6. व्यास नदी पंचनद नदियों मे एकमात्र ऐसी नदी है जो भारत में उत्पन्न होती है एवं भारत में सतलुज नदी मे मिल जाती है।

सतलुज नदी-

1. सतलुज नदी तिब्बत में स्थित मानसरोवर झील के समीप राकसताल से निकलती है।
2. यह नदी शिपकीला दर्रे से भारत में प्रवेश करती है।
3. स्पिती नदी इसकी मुख्य सहायक नदी है।
4. विश्व प्रसिद्ध भाखडा नांगल बांध सतलुज नदी पर निर्मित है।
5. सतलुज नदी चिनाब नदी में मिल जाती है।
6. सतलुज नदी की कुल लम्बाई 1050 किमी. है।
7. सतलुज नदी पंचनद में दूसरी सबसे बड़ी नदी है।

नदियों के आधुनिक नाम - प्राचीन नाम

1.	सिन्धु	-	सिंधु
2.	झेलम	-	वितस्ता
3.	चिनाब	-	अस्किनी
4.	रावी	-	परुसनी
5.	व्यास	-	विपासा/अर्गिकिया
6.	सतलुज	-	शतुद्री
7.	सरस्वती	-	सरस्वती

गंगा नदी तंत्र

इस नदी तंत्र में गंगा नदी एवं उसकी सहायक नदियाँ शामिल हैं-

1. गंगा नदी भागीरथी एवं अलकनंदा नदियों का सम्मलित रूप है।
2. गंगा नदी की उत्पत्ति गंगोत्री हिमानी से होती है।
3. गंगोत्री हिमानी उत्तराखण्ड में स्थित है।
4. अलकंनदा एवं भागीरथी उत्तराखण्ड के देवप्रयाग पर मिलती है। यही से यह गंगा कहलाती है।
5. गंगा नदी की मुख्य सहायक नदियाँ- युमना, सोन, दामोदर पुनपुन, टोंस, रामगंगा, गंगोत्री, घाघरा, गंडक, कोसी आदि हैं।
6. गंगा नदी उत्तराखण्ड, उत्तरप्रदेश, बिहार एवं पश्चिम बंगाल से बहती हुई बंग्लादेश में ब्रह्मपुत्र नदी में मिल जाती है।
7. गंगा नदी की सर्वाधिक लम्बाई उत्तरप्रदेश में है।
8. गंगा-ब्रहमपुत्र का डेल्टा विश्व का सबसे बड़ा डेल्टा है।
9. डेल्टा का समुद्री भाग घने वनों से ढका है जिन्हें ''सुन्दरवन'' कहते हैं।
10. गंगा नदी जब बंग्लादेश में प्रवेश करती है तब उसे पद्मा कहते हैं।
11. यहाँ से गंगा कई धाराओं मे बंटकर डेल्टाई मैदान में दक्षिण की ओर बहती हुई समुद्र से मिलती है। इस हिस्से में यह भगीरथी(हुगली) कहलाती है।
12. गंगा नदी के तट पर पटना शहर स्थित है।

गंगा की सहायक नदियाँ

यमुना नदी

1. यमुना नदी की उत्पत्ति यमुनोत्री हिमानी से होती है।
2. यमुनोत्री ग्लेशियर उत्तराखण्ड के टिहरी-गढ़वाल जिले में है।
3. यमुना नदी गंगा नदी में इलाहाबाद (प्रयाग) में आकर मिलती है।
4. यमना नदी उत्तराखण्ड, दिल्ली, उत्तरप्रदेश में बहती हुई जाती है।
5. यमुना नदी गंगा की सबसे बड़ी सहायक नदी है।
6. यमुना की सहायक नदियाँ चंबल, सिंधु, बेतवा, केन हैं।

सोन नदी-

1. सोन नदी की उत्पत्ति अमरकंटक की पहाड़ियों से होती है।
2. सोन नदी पटना में गंगानदी में जाकर मिल जाती है।
3. अमरकंटक की पहाड़ी मध्य प्रदेश में स्थित है।

हुगली नदी-

1. हुगली नदी की विश्व की सबसे विश्वासघाती नदी कहते हैं।
2. इसी नदी पर कलकत्ता बंदरगाह स्थित है।
3. कलकत्ता बंदरगाह को ''पूर्व का लंदन'' कहते हैं।

ब्रह्मपुत्र नदी तंत्र-

इस नदी तंत्र में ब्रहमपुत्र नदी एवं उसकी सहायक नदियाँ शामिल होती हैं

ब्रह्मपुत्र नदी तंत्र

1. यह नदी तिब्बत में स्थित चीमयांगंदुग हिमानी से निकलती है।
2. चीमयागंदुंग हिमानी (बैपउंलनदहकनदह ळसंबपमत) मानसरोवर झील के पास स्थित है।
3. इस नदी की कुल लम्बाई 2900 किमी. है।
4. ब्रह्मपुत्र नदी का अपवाह तंत्र तीन देशों- तिब्बत, चीन, भारत एवं बंग्लादेश है।
5. ब्रह्मपुत्र का चीन में नाम सांग्पो है जिसका अर्थ **शुद्ध करने वाला** होता है।
6. ब्रह्मपुत्र नदी का भारत के अरुणाचल प्रदेश में नाम दिहांग है।
7. भारत के असम मे इसे ब्रह्मपुत्र कहते है।
8. ब्रह्मपुत्र नदी नामचाबरवा नामक पर्वत के पूर्वी किनारे के सहारे एक तीखा मोड़ लेती है एवं अरुणाचल प्रदेश में प्रवेश करती है।
9. पासीघाट के निकट (सादिया के पास) दो सहायक नदियाँ दिबांग एवं लोहित के मिलने के बाद इसका नाम ब्रह्मपुत्र पड़ता है।
10. असम की घाटी में विश्व का सबसे बड़ा नदी द्वीप माजुली द्वीप स्थित है।
11. ब्रह्मपुत्र का बंग्लादेश में नाम जमुना है।
12. जमुना, पदमा (गंगा) में मिल जाती है।
13. गंगा-ब्रह्मपुत्र बंगाल की खाड़ी में मिल जाती है।
14. ब्रह्मपुत्र की सहायक नदियाँ- सुमनसिरी, जिया, भरेली, धनश्री, पुथीमारी, और मानस हैं।

गंगा नदी के नाम-

1. भगीरथी (हुगली)
2. पद्मा (बंगला देश में)

ब्रहमपुत्र के नाम-

1. सांगपो- तिब्बत में
2. दिहांग- अरुणाचल प्रदेश में
3. ब्रह्मपुत्र- असम में
4. जमुना - बंगलादेश में

परीक्षोपयोगी तथ्य-

1. भारत की सबसे लम्बी नदी गंगा (2525 किमी.) है।
2. भारत में प्रवाहित होने वाली नदियों के आधार पर भारत की सबसे लम्बी नदी ब्रहमपुत्र (2900 किमी) है।

प्रायद्वीपीय नदियाँ-

1. प्रायद्वीपीय नदियाँ हिमालयी नदियों की तुलना मे अधिक पुरानी हैं।
2. प्रायद्वीपीय नदियाँ प्रौढ़ावस्था को प्राप्त कर चुकी हैं।
3. प्रायद्वीपीय नदियाँ की ढाल प्रवणता अत्यन्त क्रम हैं।
4. प्रायद्वीपीय नदियाँ मौसमी नदियाँ है।
5. ये नदियाँ बारिश पर निर्भर रहती है। ये नदियाँ बारह महीनों नही बहती हैं।
6. गर्मियों के लम्बे शुष्ककाल में ये प्राय: सूख जाती हैं।
8. प्रायद्वीपीय नदियाँ को दो भागों मे बाँटा जाता है-
   1. पूर्व की ओर बहने वाली नदियाँ
   2. पश्चिम की ओर बहने वाली नदियाँ

पूर्वी प्रवाह वाली नदियाँ-

1. ये नदियाँ बंगाल की खाड़ी में गिरती हैं।
2. ये नदियाँ डेल्टा बनाती है।

गोदावरी नदी-

1. गोदावरी नदी महाराष्ट्र के नासिक जिले से निकलती है।
2. गोदावरी नदी त्रयंबक गांव की पहाड़ियों से निकलती है।
3. यह प्रायद्वीपीय पठार की सबसे लम्बी नदी है।
4. गोदावरी को वृद्ध गंगा भी कहते हैं।
5. गोदावरी को दक्षिण भारत की गंगा भी कहते हैं।
6. गोदावरी नदी महाराष्ट्र, कर्नाटक, आन्ध्रप्रदेश, छत्तीसगढ़ राज्यों में बहती है।
7. गोदाबरी की सहायक नदियाँ- मांजरा, पुरना, वेनगंगा, वर्धा, मानेर आदि है।
8. गोदावरी नदी की कुल लम्बाई 1465 किमी. है।

कृष्णा नदी-

1. कृष्णा नदी की उत्पत्ति महाबलेश्वर के पास से होती है।
2. महाबलेश्वर पश्चिमी घाट की दूसरी सबसे ऊँची पहाड़ी है।
3. महाबलेश्वर महाराष्ट्र में स्थित है।
4. कृष्णा नदी प्रायद्वीपीय पठार की दूसरी सबसे लम्बी नदी है।
5. इसकी कुल लम्बाई 1327 किमी. है।
6. यह नदी महाराष्ट्र, कर्नाटक एवं आन्ध्रप्रदेश में बहती है।
7. कृष्णा नदी बंगाल की खाड़ी में गिरती है।
8. कृष्णा नदी की सहायक नदियाँ- कोयना, घाटप्रभा, मालप्रभा, भीमा एवं तुगंमद्रा हैं।
9. कृष्णा नदी विजयवाड़ा के निकट डेल्टा बनाती है।
10. कावेरी एवं कृष्णा नदी के मध्य पेन्नार स्थित है।
11. नार्गाजुन सागर कृष्णा नदी पर बना हुआ है।

तुगंभद्रा-

1. तुगभंद्रा नदी कृष्णा नदी की सहायक एवं महत्वपूर्ण नदी है।
2. तुगभंद्रा नदी की उत्पत्ति कर्नाटक के पश्चिमी घाट से होती है।
3. तुगभंद्रा नदी का मुख्य स्रोत कर्नाटक के पश्चिमी घाट में है।

कावेरी नदी-

1. कावेरी नदी की उत्पत्ति ब्रह्मगिरि पहाड़ी से होती है।
2. ब्रह्मगिरि पहाड़ी कर्नाटक के कुर्ग जिले मे स्थित है।
3. कावेरी नदी कावेरी पत्तनम के पास बंगाल की खाड़ी में गिरती है।
4. इसकी कुल लम्बाई 805 किमी. है।
5. इसकी मुख्य सहायक नदियाँ- हेमावती, लोकपावनी, शिमसा, लक्ष्मण तीर्थ आदि हैं।
6. यह नदी केरल, कर्नाटक एवं तमिलनाडु में बहती है।
7. कावेरी एवं कृष्णा नदी के मध्य पेन्नार बेसिन स्थित है।
8. कावेरी नदी को दक्षिण भारत का ''धान्यागार'' कहते है।
9. इस नदी पर शिवसमुन्द्रम परियोजना है।

नोटः-

लम्बाई के आधार पर प्रायद्वीपीय नदियों का क्रम--

गोदावरी→कृष्णा→महानदी→कावेरी

पश्चिमी प्रवाह वाली नदियाँ -

1. ये नदियाँ पश्चिम की ओर बहती हैं।
2. नदियाँ डेल्टा नहीं बनाती हैं।

नर्मदा नदी

1. नर्मदा नदी की उत्पत्ति अमरकंटक पहाड़ी से होती है।
2. अमरकंटक विन्ध्याचल पर्वत श्रेणी का भाग है।
3. यह नदी विन्ध्याचल एवं सतपुड़ा पर्वत श्रेणियों के मध्य बहती है।
4. यह नदी खम्भात की खाड़ी में मिल जाती है।
5. यह नदी डेल्टा नहीं बनाती है।
6. यह नदी मध्य प्रदेश, गुजरात में बहती है।
7. इस नदी पर धुआँधार जलप्रपात (जमत थ्सस) है।
8. इस नदी पर सरदार सरोवर परियोजना है।
9. पश्चिम की ओर बहने वाली नदियों में यह सबसे लम्बी नदी है।
10. इसकी कुल लम्बाई 1057 किमी. है।

तापी नदी -

1. इस नदी की उत्पत्ति मुलताई नगर के पास से होती है।
2. मुलताई नगर मध्यप्रदेश के बैतूल जिले में है।
3. यह पश्चिम की ओर बहने वाली नदियों में दूसरी सबसे लंबी नदी है।
4. इसकी कुल लम्बाई 724 किमी. है।
5. इसे ''नर्मदा की जुड़वा नदी'' कहते हैं।
6. यह नदी सतपुड़ा के दक्षिण में बहती है।
7. इसकी सहायक नदियाँ- पुरना, बैतूल, अरुणावती, गंजल आदि हैं।
8. यह नदी डेल्टा नहीं बनाती है।

9. यह नदी खम्भात की खाड़ी में मिल जाती है।

माही

1. इसकी उत्पत्ति विन्ध्याचल पर्वत श्रेणी से होती है।
2. यह नदी मध्य प्रदेश,गुजरात एवं राजस्थान में बहती है।
3. यह एकमात्र ऐसी नदी है जो कर्क रेखा को दो बार काटती है।
4. यह खम्भात की खाड़ी में मिल जाती है।
5. इसकी कुल लम्बाई 560 किमी. है।

लूनी नदी -

1. इस नदी की उत्पत्ति अनासागर झील से होती है।
2. अनासागर झील अजमेर (राजस्थान) में स्थित है।
3. लूनी नदी को ''लवण नदी (ैंसज संम)'' के नाम से भी जाना जाता है।
4. लूनी नदी गुजरात के रन ऑफ कच्छ में समाप्त हो जाती है।

घग्घर-

1. इस नदी का पुराना नाम सरस्वती नदी था।
2. यह नदी अब विलुप्त हो चुकी है।

साबरमती नदी-

1. इसकी उत्पत्ति अरावली पर्वतश्रेणी से होती है।
2. यह नदी राजस्थान एवं गुजरात में बहती है।
3. इस नदी के किनारे ही महात्मा गांधी ने साबरमती आश्रम 1916 में स्थापित किया था।
4. साबरमती आश्रम गुजरात के अहमदाबाद में स्थित है।

नोट:-

लम्बाई के आधार पर पश्चिमी नदियों का क्रम

नर्मदा→तापी→माही→लूनी→घग्गर→साबरमती

देश के प्रमुख जल प्रपात

	जलप्रपात	नदी
1.	जोग जलप्रपात	- शरावती नदी पर
2.	शिवसमुद्रम जलप्रपात	- कावेरी नदी पर
3.	गोकक जलप्रपात	- कृष्णा नदी
4.	येना जलप्रापत	- महाबलेश्वर के समीप
5.	पायकारा जलप्रपात	- नीलगिरि के पर्वतीय क्षेत्र में
6.	धुआँधार	- नर्मदा नदी पर
7.	मधार	- नर्मदा नदी पर
8.	चूलिया	- चम्बल नदी पर
9.	पुनासा जल प्रपात	- नर्मदा नदी पर
10.	हुंडरु	- स्वर्ण रेखा

नोट:- जोगजलप्रपात-

1. जोग जलप्रापत का अन्य नाम- गरसोप्पा जलप्रपात है।
2. इसका अन्य नाम महात्मा गांधी जलप्रपात भी है।
3. यह भारत का सबसे ऊँचा जलप्रपात है।
4. इसकी ऊँचाई 295 मीटर है।

झील

1. **वुलर (जम्मू-कश्मीर)**-
   - झेलम नदी पर बना गोखुर झील है। इस पर विवर्तनिक क्रिया का भी प्रभाव है।
   - यह भारत में मीठे पानी की सबसे बड़ी झील है।
   - तुलबुल परियोजना इसी पर स्थित है।
2. **डल झील**-
   - यह कश्मीर की अत्यधिक खूबसूरत झील है।
3. **सांभर, लूनकरसर, पंचभद्रा एवं डीडवाना झील**-
   - यह राजस्थान की लवणीय झीलें है
   - इनसे नमक का उत्पादन भी किया जाता है।
   - उदयसागर, पिछौला, जयसमंद एवं राजसमंद राजस्थान की अन्य महत्वपूर्ण झीलें हैं।
4. **उकाई झील**-
   - यह गुजरात में ताप्ती नदी पर स्थित मानव निर्मित झील है।
5. **राणाप्रताप सागर**-
   - यह राजस्थान में चंबल नदी पर स्थित झील है।
6. **जवाहर सागर**-
   - यह राजस्थान में चंबल नदी पर स्थित झील है।
7. **गांधी सागर**-
   - यह मध्य प्रदेश में चंबल नदी पर स्थित झील है।
8. **गोविंद सागर**-
   - यह हिमाचल प्रदेश में भाखड़ा बांध के पीछे बनी विशाल झील है।
9. **नागार्जुन सागर**-
   - यह आंध्रप्रदेश में कृष्णा नदी पर मानव निर्मित झील है।
10. **निजामसागर**-
    - यह आंध्रप्रदेश में मंजरा नदी पर मानव निर्मित झील है।
11. **तुंग भ्रदा**-
    - यह कर्नाटक में तुंगभद्रा नदी पर मानव निर्मित झील है।
12. **गोविन्द बल्लभ पंत सागर**-

- यह छत्तीसगढ़ व उत्तर प्रदेश में सोन की सहायक नदी रिहन्द पर बनायी गई झील है।

13. स्टेनले जलाशय-

- यह तमिलनाडु में कावेरी नदी पर बने मेट्टूर बांध के पीछे बनी झील है।

14. लोकटक झील-

- यह माणिपुर में स्थित है।
- यह मीठे पानी की पूर्वोत्तर भारत की सबसे बड़ी झील है।
- इस झील में केबुललामजाओं नाम का तैरता हुआ राष्ट्रीय पार्क है।

15. चिल्का झील-

- यह उड़ीसा में भारत की सबसे बड़ी लैगून (खारे पानी की) झील है।

16. कोल्लेरू झील-

- यह आन्ध्र प्रदेश के डेल्टाई प्रदेश में बनी बड़ी झील है।

17. पुलीकट झील-

- यह आंध्र प्रदेश में स्थित है।
- यह एक लैगून झील है।
- श्री हरिकोटा द्वीप यहीं पर है जहां सतीश धवन उपग्रह प्रक्षेपण केन्द्र है।

18. बेम्बानद झील-

- यह केरल में स्थित है।
- इसी झील में वेलिंगटन द्वीप है।
- यह पर नौकायन प्रतियोगिताएँ होती हैं।

19. अष्टमुदी झील-

- यह केरल की एक अन्य महत्वपूर्ण लैगून झील है।

20. लोनार झील-

- महाराष्ट्र के बुलढाना जिले में एक क्रेटर झील है।
- यह झील उल्कापिंड के गिरने से बनी है।

भारतीय बहु-उद्देशीय योजनाएँ

परियोजना - भांखड़ा-नांगल परियोजना (गुरूत्वीय बाँधों में विश्व का सबसे ऊँचा में से एक गोविन्द सागर (हिमाचल)

नदी - सतलज नदी (सिंधु की सहायक)

राज्य - पंजाब, हरियाणा एवं राजस्थान की संयुक्त परियोजना

थीन	रावी नदी (सिंधु की सहायक)	पंजाब
दुलहस्ती	चेनाब नदी (सिंधु की सहायक)	जम्मू कश्मीर
सलाल जल विद्युत	चेनाब नदी (सिंधु की सहायक)	जम्मू कश्मीर
वाण सागर	सोन नदी	मध्य प्रदेश
गोबिन्द बल्लभ सागर	रिहंद नदी	उत्तर प्रदेश
हीराकुण्ड विश्व का लम्बा बांध	महानदी	उड़ीसा
नागार्जुन	कृष्णा	आध्र प्रदेश
मेट्टूर योजना	कावेरी	तमिलनाडु
शिव समुद्र योजना	कावेरी	कर्नाटक
गाँधी सागर, राणा प्रताप बांध	चम्बल	राजस्थान व मध्य प्रदेश तथा जवाहर सागर
काकरापारा	तावी	गुजरात
सरदार सरोवर	नर्मादा	गुजरात, मध्यप्रदेश, राजस्थान तथा महाराष्ट्र
इंदिरा सागर	नर्मदा	मध्यप्रदेश, गुजरात
जमनालाल बजाज सागर	माही	गुजरात
माताटीला	बेतवा	उत्तर प्रदेश, गुजरात
फरक्का	गंगा	पंश्चिम बंगाल
लोकटक	लोकटक झील	मणिपुर